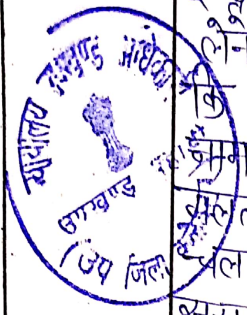


दिख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
७-२-५	<p>द्वीतम रूप वकील जज जगदीश</p> <p>जज जज कि कि कि कि</p> <p>रामदेवी रानी लक्ष्मी देवी</p> <p>जज जज जज जज १०.३.५</p> <p>कामिनी</p>	
१०/३/२१	<p>वकील अपीलान्ट उप.। रीस्पॉन्डेंट बावपूद</p> <p>सूचना उप. नहीं। इसके विरुद्ध एक पक्षीय</p> <p>कार्यवाही अमल में लाई जाती है। पत्रावली</p> <p>वास्तु बहस दि. १७/३/२१ को पेश है।</p>	
१७/३/२१	<p>आपने यह पत्रावली पेश की है। तारीख १७/३/२१ को</p> <p>गवर्नर तारीफ रकत में। सुनने के बाद आपने</p> <p>आपने रिपोर्ट कर दिया है। आप पूरे आपका मुकाम</p> <p>दिनांक १७/३/२१ को पेश है।</p> <p>१९/३/२१</p>	
१९/३/२१	<p>वकील अपीलान्ट उप.। एक पक्षीय</p> <p>बहस सुनी गई। वास्तु आदेश</p> <p>दिनांक २३/३/२१ को पेश हो।</p>	
२२/३/२१	<p>वकील अपीलान्ट उपस्थित। बहस सुनी</p> <p>गई।</p> <p>वकील अपीलान्ट ने अपील अंतर्गत</p> <p>धारा ७५ LR Act इस आशय कि पेश</p> <p>की है कि अपील में वर्णित आराजी बाँके</p> <p>सम धीमरी तह. पूहाडी में स्थित हैं।</p> <p>म पंचायत कुठाल ने जो इन्तकाल स. १०७१</p> <p>१०७१ अपीलान्ट के पिता सुल्हड की</p> <p>विरासत का जो दाखिल खारिज दर्ज</p> <p>कर स्वीकार किया है। इसमें सुल्हड के</p>	



वारिसान के सही नाम की जांच पड़ताल किये बिना ही मुझ अपीलाट के सही नाम जमशेद की बजाय गलत नाम रमजान गलत दर्ज कर दाखिल खारिज स्वीकार कर दिया। जबकि अपीलाट के पहचान के दस्तावेजों में सही नाम जमशेद दर्ज है। उक्त गलत नाम के इन्दाज का इल्म अपीलाट को रिकॉर्ड में पर दिनांक 23/02/2021 को हुआ कि राजस्व रिकॉर्ड में अपीलाट के सही नाम जमशेद पुत्र सुल्हड के स्थान पर गलत नाम रमजान पुत्र सुलवा दर्ज प्रकाश आ रहा है। जिससे अपीलाट को सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिला रहा है। निवेदन है कि दाखिल खारिज 1071 दिनांक 01.07.1989 आदेश ग्राम पंचायत कठौल को निरस्त कर रिकॉर्ड में दर्ज अपीलाट के गलत नाम रमजान पुत्र सुलवा के स्थान पर जमशेद पुत्र सुल्हड दर्ज किया जावे।



कठौल अपीलाट बहस सुनी गई। पत्रावली के साथ सलग्न दस्तावेज आधार कार्ड, पहचान पत्र, राशन कार्ड, में अपीलाट का नाम जमशेद पुत्र सुल्हड दर्ज है। जबकि नामान्तरण सं. 1071 में रमजान पुत्र सुल्हड दर्ज है। अपीलाट ने इसके अलावा कोई दस्तावेज प्रमाण उपलब्ध नहीं कराया है। ग्राम पंचायत कठौल ने भी विरासत के नाम दर्ज करते समय कोई जांच नहीं की है। अतः नामान्तरण सं. 1071 दिनांक 01.07.1989 खारिज योग्य है। नामान्तरण सं. 1071 खारिज किया जाता है। पत्रावली तहसीलदार पहाड़ी को इस निर्देश के साथ प्रति प्रेषित की जाती है कि वे उभयपक्षों के कारण को सुनकर एवं अपीलाट के सही नाम की जांच कर पुनः गुण वा गुण के आधार पर विरासत का नामान्तरण दर्ज करें। पत्रावली दाखिल दफ्तर हो।